दिल्ली पब्लिक स्कूल, राँची

सेल टाउनशिप, राँची

अर्द्धवार्षिक परीक्षा **(2017-18)**

कक्षा– दस | विषय–हिन्दी

समय–3 घंटे | पूर्णांक– 80

सामान्य निर्देषः

(i)इस प्रष्न –पत्र के चार खंड हैं – क, ख, ग और घ।

(ii)चारों खंडो के प्रष्नों के उत्तर देना अनविार्य है।

(iii)यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमषः दीजिए।

खण्ड – 'क'

प्र0 1 निम्नलिखित गद्यांष का ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर लिखिए–

विविध धर्म ही एक जगह पहुँचानेवाले अलग–अलग रास्ते हैं। एक ही जगह पहुँचने के लिए हम अलग–अलग रास्तों से चलें तो इसमें दुख का कोई कारण नहीं है। सच पूछो तो जितने मनुष्य हैं , उतने ही धर्म भी हैं। हमें सभी धर्मो के प्रति समभाव रखना चाहिए। इसमें अपने धर्म के प्रति उदासीनता आती हो, ऐसी बात नहीं , बल्कि अपने धर्म पर जो प्रेम है, उसकी अंधता मिटती है। इस तरह वह प्रेम ज्ञानमय और ज्यादा सात्विक तथा निर्मल बनता है। बापू इस विष्वास से सहमत नहीं थे कि पृथ्वी पर एक धर्म हो सकता है या नहीं इसलिए वे विविध धर्मो में पाया जानेवाला तत्व खोजने की और इस बात को पैदा करने कि विविध धर्मावलंबी एक दूसरे के प्रति सहिष्णुता का भाव रखें, कोषिष कर रहे थे। उनकी सम्मति थी कि संसार के धर्मग्रंथों को सहानुभूतिपूर्वक पढ़ना प्रत्येक सभ्य पुरूष व स्त्री का कर्त्तव्य है। अगर हमें दूसरे धर्मों का आदर करना है, जैसा हम उनसे अपने धर्म का कराना चाहते हैं तो संसार के सभी धर्मों का आदरपूर्वक अध्ययन करना हमारा एक पवित्र कर्म बन जाता है।

(क) ''हमें सभी धर्मों के प्रति समभाव रखना चाहिए'' –इस कथन की सार्थकता पर प्रकाष डालिए। **[2]**

(ख) अपना धर्म अधिक सात्विक , ज्ञानमय और निर्मल कब बन जाता है? **[2]**

(ग) हमारा पवित्र कर्म क्या है? **[2]**

(घ) 'इत' और 'आवना' प्रत्यय से दो–दो षब्द बनाइए। **[1+1=2]**

(ङ) उपर्युक्त गद्यांष का उपयुक्त षीर्षक दीजिए। **[1]**

प्र0 2 निम्नलिखित काव्यांष को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर लिखिए–

स्वातंत्र्य जाति की लगन है, व्यक्ति की धुन है,
बाहरी वस्तु यह नहीं, भीतरी गुण है।
नत हुए बिना जो अषनि – घात सहती है,
स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है

वीरत्व छोड़ पर का मत चरण गहो रे।
जो पड़े आन, खुद ही सब आग सहो रे।

आँधियाँ नहीं जिसमें उमंग भरती हैं,
छातियाँ जहाँ संगीनों से डरती हैं
शोणित के बदले जहाँ अश्रु बहता है,
वह देष कभी स्वाधीन नहीं रहता है।

पकड़ो अयाल, अंधड़ पर उछल चढ़ो रे।
किरिचों पर अपने तन का चाम मढ़ो रे।

स्वर में पावक यदि नहीं , वृथा वंदन है,
वीरता नहीं, तो सभी विनय क्रंदन है!
सिर पर जिसके असिघात – रक्त –चंदन है,
भ्रामरी उसी का करती अभिनंदन है।

मानवी रक्त से सभी पाप धुलते हैं,
ऊँची मनुष्यता के पथ भी खुलते हैं।

प्रष्नः–

(क) '' स्वातंत्र्य जाति की लगन ..... भीतरी गुण है'' पंक्तियों का आषय स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(ख) स्वाधीन बने रहने के लिए किन विषेषताओं का होना आवष्यक बताया गया है? **[2]**

(ग) स्वर में पावक होने का क्या आषय है? उसके बिना बंदना क्यों व्यर्थ है? **[2]**

खण्ड – 'ख'

प्र0 3 शब्द व पद में क्या अंतर है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। **[2]**

प्र0 4 (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिएः **[2]**
नीलकमल, भयाकुल

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर उसका नाम भी लिखेंः
चंद्र के समान मुख, रसोई के लिए घर **[2]**

प्र0 5 निर्देषानुसार वाक्य रूपांतरण कीजिएः– **[2]**

(क) आरक्षण के तूफान में कितने ही युवक आग में जल गए। (मिश्र वाक्य) **[3]**

(ख) जिसने टोपी पहन रखी थी, वह बाबू कहाँ गया। (सरल वाक्य)

(ग) प्रयास न करने के कारण वह असफल हो गया। (संयुक्त वाक्य)

प्र0 6 निम्नलिखित वाक्यों को षुद्ध रूप में लिखिएः **[4]**

(क) उत्तम चरित्र –निर्माण हमारे लक्ष्य होने चाहिए।

(ख) कृपया आज का अवकाष देने की कृपा करें।

(ग) मेरे को पिता जी ने बुलाया था।

(घ) कल रात उसका प्राण निकल गया।

प्र0 7 निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।
आड़े हाथों लेना, अंधे के हाथ बटेर लगना **[1x2=2]**

खण्ड – 'ग'

प्र0 8 निम्नलिखित प्रष्नों के उत्तर लिखिएः

(क) फिल्म निर्माता के रूप में शैलेन्द्र की विषेषताओं पर प्रकाष डालिए। **[2]**

(ख) मोनुमेंट पर स्त्री समाज ने अपने कर्तव्य का पालन किस प्रकार किया? **[1]**

(ग) तताँरा कैसी पोषाक पहनता था? **[5]**

प्र0 9 ''रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ लगने लगे तब उनका टूट जाना ही अच्छा है।''
तताँरा वामीरो कथा'' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्र0 10 '' निम्नलिखित प्रष्नों के उत्तर लिखिएः

(क) कबीर निंदक को क्यों उपयोगी मानते हैं? **[2]**

(ख) मीराबाई ष्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? **[2]**

(ग) षाल के वृक्ष धँसे हुए से क्यों प्रतीत होते हैं? **[1]**

प्र0 11 अंग्रजों द्वारा निर्मित तोप भारतीय वीरों की धज्जियाँ तो उड़ा गई पर स्वयं भी ध्वंस हो गई, कैसे? सिद्ध करें। 'तोप ' कविता हमें क्या संदेष देती है? **[5]**

प्र0 12 वर्तमान समय में रिष्तों की क्या अहमियत है? 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर यह भी बताइए कि समाज में किन–किन जीवन मूल्यों की कमी दिखाई पड़ती है? **[5]**

खण्ड – 'घ'

प्र0 13 दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 100 षब्दों का एक अनुच्छेद लिखेंः– **[5]**

(क) बेरोजगारी और आज का युवा वर्ग

- समस्या का स्वरूप
- बेरोजगारी के कारण
- दूर करने का उपाय

(ख) अंतरिक्ष में बढ़ते कार्य कलाप

- अंतरिक्ष में रखे कदम
- इतिहास
- भविष्य की योजनाएँ

(ग) विपत्ति कसौटी जे कसे, ते ही साँचे मीत

- जीवन में मित्रता की आवष्यकता
- सच्चा मित्र कौन
- मित्र के चुनाव में सावधानी

प्र0 14 अपने क्षेत्र में बिजली के संकट से उत्पन्न कठिनाइयों के संबंध में दिल्ली विद्युत बोर्ड के अध्यक्ष को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन – पत्र लिखिए।

प्र0 15 आप केन्द्रीय विद्यालय, जयपुर की 'पर्यावरण परिषद्' के सचिव सुनील मिश्र है। आप गर्मियों में नगर के महत्त्वपूर्ण स्थलों पर एक हजार पौधे लगाना चाहते हैं। छात्रों को सहयोग करने की प्रेरणा देते हुए सूचना लिखें। **[5]**

प्र0 16 योगाभ्यास से होनेवाल लाभों को लेकर दो विद्यार्थियों के मध्य हुए संवाद को लगभग50 षब्दों में लिखें। **[5]**

प्र0 17 बाजार में 'सुगंध बहार' नामक साबुन आया है। उसके लिए 20–25 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए। **[5]**